



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 472]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 18, 2017/अग्रहायण 27, 1939

No. 472]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 18, 2017/ AGRAHAYANA 27, 1939

## राष्ट्रीय आवास बैंक

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 अगस्त, 2017

सं. एनएचबी.एचएफसी.निर्देश.18/एमडीएंडसीईओ/2017.— राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30ए और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं इस संबंध में सामर्थ्यकारी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय आवास बैंक ने सार्वजनिक हित में और संतुष्ट होकर यह आवश्यक समझा कि आवास वित्त प्रणाली को देश के लाभार्थ विनियमित करने में सशक्त होने के प्रयोजनार्थ, कि ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा निर्देश देता है कि आवास वित्त कंपनी (रा.आ.बैंक) निर्देश, 2010 (यहां के बाद मुख्य निर्देश के रूप में संदर्भित), तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा, यथा:

### 1. अनुच्छेद 27ए का संशोधन

प्रधान निर्देशों के अनुच्छेद 27ए में,

(i) मौजूदा नोट को सूची की संख्या 1 के रूप में गिना जाएगा, और इस प्रकार से सूचीबद्ध करने के पश्चात् निम्नलिखित नोट को सम्मिलित किया जाएगा, यथा:-

“(2) मूल्य की तुलना में ऋण (एलटीवी) अनुपात को अंश में खाते (अर्थात् बिना किसी निवल राशि के “मूलधन + उपचित ब्याज + ऋण से जुड़े अन्य प्रभार”) की कुल बकाया राशि के प्रतिशत के तौर पर और हर में आ.वि.कं. के पास आवासीय संपत्ति के प्राप्य मूल्य के तौर पर परिकलित किया जाएगा।”

“(3) आ.वि.कं. संपत्ति के मूल्यांकन और मूल्यांकनकर्ताओं के सूचीकरण पर राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा समय-समय पर जारी परिपत्र द्वारा निर्देशित होंगी।”

## 2. अनुच्छेद 28 का संशोधन

प्रधान निर्देशों के अनुच्छेद 28 में, उप अनुच्छेद (1) के मद (iv) के खंड (ख) (ii) के पश्चात् निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाएगा, यथा:-

“(ख) (iii) वैयक्तिक आवास ऋण के संबंध में मानक आस्तियां	ऐसे ऋणों की कुल बकाया राशि पर 0.25%
--	-------------------------------------

प्रधान निर्देशों के अनुच्छेद 28 में, उप अनुच्छेद (1) के नोट (2) के पश्चात् निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाएगा, यथा:-

“3 वैयक्तिक आवास ऋण की मानक श्रेणी से संबंधित संशोधित प्रावधान मानदंड भविष्यलक्षी प्रभाव से लागू होंगे लेकिन ऐसे ऋणों की दिशा में वर्तमान में किए गए प्रावधान प्रतिवर्ती नहीं होंगे। हालांकि, भविष्य में, यदि संशोधित प्रावधान मानदंडों को लागू करने से, ऐसे प्रावधानों की आवश्यकता वर्तमान में ऐसे ऋणों की मानक श्रेणी के लिए रखे गए प्रावधानों के स्तर से बढ़कर है, तो इन्हें यथाविधि प्रदान किया जाना चाहिए।”

प्रधान निर्देशों के अनुच्छेद 28 में, उप अनुच्छेद (2) का नोट (6) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

“(6) निबल गैर निष्पादक आस्तियों पर पहुंचने हेतु मानक आस्तियों पर प्रावधानों को संगणित नहीं किया जाना चाहिए।”

## 3. अनुच्छेद 30 का संशोधन

प्रधान निर्देशों के अनुच्छेद 30 में, व्याख्या (1) में, उप व्याख्या (3) में –

(i) मद (ख) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

	भारित जोखिम आस्तियां—तुलन पत्र की मदों पर	प्रतिशत भार
“(ख)	(ख) (i) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये तक का बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 80\%$ है।	35
	(ख) (ii) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये तक का बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $> 80$ व $\leq 90\%$ है।	50
	(ख) (iii) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये से अधिक व 75 लाख रुपये तक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 75\%$ है। (01-08-2017 के पूर्व संस्वीकृत ऋण)	35
	(ख) (iv) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये से अधिक व 75 लाख रुपये तक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $> 75\%$ व $\leq 80\%$ है। (01-08-2017 के पूर्व संस्वीकृत ऋण)	50
	(ख) (v) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये से अधिक व 75 लाख रुपये तक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 80\%$ है। (01-08-2017 को अथवा उसके पश्चात् संस्वीकृत ऋण)	35
	(ख) (vi) वैयक्तिकों को 75 लाख रुपये से अधिक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 75\%$ है। (01-08-2017 के पूर्व संस्वीकृत ऋण)	75

(ख) (vii) वैयक्तिकों को संस्तुत 75 लाख रुपये से अधिक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 75\%$ है । (01-08-2017 को अथवा उसके पश्चात् संस्वीकृत ऋण)	50
(ख) (viii) वैयक्तिक आवास ऋणों के मामले में संपत्ति/ उधारकर्ता के बीमा के उद्देश्य के लिए दिए गए ऋण की बकाया राशि	वही यथा संबंधित आवास ऋण में लागू है ।”

#### 4. अनुसूची II का संशोधन

प्रधान निर्देशों की अनुसूची II में, भाग घ में –

(i) मद III (च) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा यथा:-

मद का विवरण	मद कोड	बही मूल्य	जोखिम भार	समायोजित मूल्य
“(च)(i) केंद्र/राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत आवास/परियोजना ऋण (निम्नलिखित नोट 4 का संदर्भ लें)	237(i)		0	
च (ii) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये तक का बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 80\%$ है ।	237(ii)		35	
च (iii) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये तक का बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $> 80$ व $\leq 90\%$ है ।	237(iii)		50	
च (iv) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये से अधिक व 75 लाख रुपये तक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 75\%$ है । (01-08-2017 के पूर्व संस्वीकृत ऋण)	237(iv)		35	
च (v) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये से अधिक व 75 लाख रुपये तक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $> 75\%$ व $\leq 80\%$ है । (01-08-2017 के पूर्व संस्वीकृत ऋण)	237(v)		50	
च (vi) वैयक्तिकों को 30 लाख रुपये से अधिक व 75 लाख रुपये तक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 80\%$ है । (01-08-2017 को अथवा उसके पश्चात् संस्वीकृत ऋण)	237(vi)		35	
च (vii) वैयक्तिकों को 75 लाख रुपये से अधिक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 75\%$ है । (01-08-2017 के पूर्व संस्वीकृत ऋण)	237(vii)		75	

च (viii) वैयक्तिकों को संस्तुत 75 लाख रुपये से अधिक के बकाया आवास ऋण जो स्थावर संपत्ति के बंधक/मोर्टगेज द्वारा प्रतिभूत है एवं मानक आस्तियों के रूप में वर्गीकृत है व जिनमें एलटीवी अनुपात $\leq 75\%$ है । (01-08-2017 को अथवा उसके पश्चात् संस्वीकृत ऋण)	237(viii)		50	
च (ix) वैयक्तिक आवास ऋणों के मामले में संपत्ति/उधारकर्ता के बीमा के उद्देश्य के लिए दिए गए ऋण की बकाया राशि	237(ix)		वही यथा संबंधित आवास ऋण में लागू है ।”	

(ii) मद III (छक) विवरण में “(च)(ii) से (च)(vi)” शब्द “(च)(ii) से (च)(viii)” शब्दों से प्रतिस्थापित किए जाएंगे ।

(iii) नोट 5 विवरण में “(च)(ii) से (च)(vi)” शब्द “(च)(ii) से (च)(viii)” शब्दों से प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

श्रीराम कल्याणरामन्, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

[विज्ञापन-III/4/असा./342/17]

## NATIONAL HOUSING BANK

### NOTIFICATION

New Delhi, the 2<sup>nd</sup> August, 2017

**No. NHB.HFC.DIR.18/MD&CEO/2017.**—In exercise of the powers conferred by sections 30A and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, the National Housing Bank, having considered it necessary in the public interest, and on being satisfied that for the purpose of enabling it to regulate the housing finance system of the country to its advantage, it is necessary so to do, hereby directs that the Housing Finance Companies (NHB) Directions, 2010 (hereinafter referred to as the principal Directions) shall, with immediate effect, be amended in the following manner, namely :-

#### 1. Amendment to Paragraph 27A

In paragraph 27 of the principal Directions,

(i) the existing note shall be numbered as (1), and after the note so numbered, the following notes shall be inserted namely:-

“(2) The Loan to Value (LTV) Ratio shall be computed as a percentage with total outstanding in the account (viz, “principal + accrued interest + other charges pertaining to the loan” without any netting) in numerator and the realizable value of the residential property mortgaged to the HFC in the denominator.”

“(3) HFCs shall be guided by the circular issued by National Housing Bank on valuation of properties and empanelment of valuers from time to time.”

#### 2. Amendment to Paragraph 28

In paragraph 28 of the principal Directions, after the clause (b)(ii) of item (iv) of sub-paragraph (1), the following shall be inserted, namely:-

“(b)(iii) Standard Assets in respect of Individual Housing Loans	0.25% on the total outstanding amount of such loans
--	---

In paragraph 28 of the principal Directions, after the Note (2) of Sub-paragraph (1), the following shall be inserted, namely:-

“3. The revised provisioning norms relating to standard category of individual housing loans would be effective prospectively but the provisions held at present towards such loans should not be reversed.

However, in future, if by applying the revised provisioning norms, any provisions are required over and above the level of provisions currently held for the standard category of such loans, these should be duly provided for.”

In paragraph 28 of the principal Directions, the Note (6) of Sub-paragraph (2) shall be substituted by the following, namely:-

“(6) The provisions on standard assets should not be reckoned for arriving at net NPAs.”

### 3. Amendment to Paragraph 30

In paragraph 30 of the principal Directions, in the Explanation (1), in sub-explanation (3)-

(i) Item (b) shall be substituted by the following, namely:-

	<b>Weighted risk assets – On balance Sheet items</b>	<b>% Weight</b>
“(b)	(b)(i) Outstanding Housing loans to individuals up to ₹30 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV Ratio $\leq 80\%$	35
	(b)(ii) Outstanding Housing loans to individuals up to ₹30 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV Ratio $> 80\%$ and $\leq 90\%$	50
	(b)(iii) Outstanding Housing loans to individuals above ₹30 lakhs and upto ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 75\%$ (loan sanctioned before 01-08-2017)	35
	(b)(iv) Outstanding Housing loans to individuals above ₹30 lakhs and upto ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property which are classified as standard assets with LTV ratio $> 75\%$ and $\leq 80\%$ (loan sanctioned before 01-08-2017)	50
	(b)(v) Outstanding Housing loans to individuals above ₹30 lakhs and upto ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 80\%$ (loan sanctioned on or after 01-08-2017)	35
	(b)(vi) Outstanding Housing loans to individuals above ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 75\%$ (loan sanctioned before 01-08-2017)	75
	(b)(vii) Outstanding Housing loans to individuals above ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 75\%$ (loan sanctioned on or after 01-08-2017)	50
	(b)(viii) Outstanding amount of Loans given for the purpose of insurance of the property/borrower in case of individual housing loans	Same as applicable to the respective housing loan”

### 4. Amendment of Schedule II

In Schedule II of the principal Directions, in Part D-

(i) Item III (f) shall be substituted by the following, namely:-

Item description	Item Code	Book Value	Risk Weight	Adjusted Value
“f(i) Housing / Project Loans guaranteed by Central / State Government (Refer Note 4 below)	237(i)		0	

f(ii) Outstanding Housing loans to individuals up to ₹30 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV Ratio $\leq 80\%$	237(ii)		35	
f(iii) Outstanding Housing loans to individuals up to ₹30 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV Ratio $> 80\%$ and $\leq 90\%$	237(iii)		50	
f(iv) Outstanding Housing loans to individuals above ₹30 lakhs and upto ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 75\%$ ( <i>loan sanctioned before 01-08-2017</i> )	237(iv)		35	
f(v) Outstanding Housing loans to individuals above ₹30 lakhs and upto ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property which are classified as standard assets with LTV ratio $> 75\%$ and $\leq 80\%$ ( <i>loan sanctioned before 01-08-2017</i> )	237(v)		50	
f(vi) Outstanding Housing loans to individuals above ₹30 lakhs and upto ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 80\%$ ( <i>loan sanctioned on or after 01-08-2017</i> )	237(vi)		35	
f(vii) Outstanding Housing loans to individuals above ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 75\%$ ( <i>loan sanctioned before 01-08-2017</i> )	237(vii)		75	
f(viii) Outstanding Housing loans to individuals above ₹75 lakhs secured by mortgage of immovable property, which are classified as standard assets with LTV ratio $\leq 75\%$ ( <i>loan sanctioned on or after 01-08-2017</i> )	237(viii)		50	
f(ix) Outstanding amount of Loans given for the purpose of insurance of the property / borrower in case of individual housing loans	237(ix)		As applicable to respective housing loan	

(ii) In Items III (ga) description, for the words “(f)(ii) to (f)(vi)” the words “(f)(ii) to (f)(viii)” shall be substituted.

(iii) In Note 5 description, for the words “(f)(ii) to (f)(vi)” the words “(f)(ii) to (f)(viii)” shall be substituted.

SRIRAM KALYANARAMAN, Managing Director & Chief Executive Officer

[ADVT.-III/4/Exty./342/17]

**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 2017

सं. एनएचबी.एचएफसी.निर्देश.19/एमडीएंडसीईओ/2017 - राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 (1987 का 53) की धारा 30ए और 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों एवं इस संबंध में सामर्थ्यकारी सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय आवास बैंक ने सार्वजनिक हित में और संतुष्ट होकर यह आवश्यक समझा कि आवास वित्त प्रणाली को देश के लाभार्थ विनियमित करने में सशक्त होने के प्रयोजनार्थ, कि ऐसा करना आवश्यक है, एतद्वारा निर्देश देता है कि आवास वित्त कंपनी (रा.आ.बैंक) निर्देश, 2010 (यहां के बाद मुख्य निर्देश के रूप में संदर्भित), तत्काल प्रभाव से निम्नानुसार संशोधित किया जाएगा, यथा:

**1. अनुच्छेद 30 का संशोधन**

- (i) व्याख्या (1) के अंतर्गत मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 30 में मद विवरण और (2) (क), (ख), (ग) और (ड) में दिए गए जोखिम भार को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

		भारित जोखिम आस्तियां –तुलन पत्र की मदों पर	भारित %
(2)		निवेश:	
	क)	राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 में यथा परिभाषित अनुमोदित प्रतिभूतियां [नीचे ग (को छोड़कर)	‘0’
	ख)	सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बांडस	‘20’
	ग)	सावधि जमा/ जमाओं के प्रमाणपत्र/ सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के बांडस	‘100’
	ड)	सभी कंपनियों के शेयर तथा सभी कंपनियों के डिबेंचर/बांडस/ वाणिज्यिक कागजात/सभी म्यूच्युअल फंड की इकाइयां	‘100’

- (ii) व्याख्या (1) के अंतर्गत मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 30 में मद विवरण और (3) क) में दिए गए जोखिम भार को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

		भारित जोखिम आस्तियां –तुलन पत्र की मदों पर	भारित %
(3)	क)	घरेलू राष्ट्रिक:	
		i) केंद्रीय सरकार पर निधि आधारित दावे	‘0’
		ii) राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में प्रत्यक्ष ऋण/क्रेडिट/ ओवरड्राफ्ट एक्सपोजर व निवेश	‘0’
		iii) केंद्र सरकार द्वारा गारंटीकृत दावे	‘0’
		iv) राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत दावे, जो चूक में नहीं रहे /जो चूक में नब्बे दिनों से अधिक अवधि के लिए नहीं रहे	‘20’
		v) राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत दावे, जो चूक में नब्बे दिनों से अधिक अवधि के लिए रहे	‘100’

- (i) (iii) व्याख्या (2) ख के अंतर्गत मुख्य निर्देशों के अनुच्छेद 30 में निम्नलिखित नई मद सं. (xvi) को सम्मिलित किया जाएगा, यथा:-

मद सं.	मद विवरण	ऋण संपरिवर्तन कारक
xvi.	केंद्र सरकार पर गैर-निधि आधारित दावे	'0'

## 2. अनुसूची II में संशोधन

I. प्रमुख निदेशों की अनुसूची II में, भाग घ में -

- (i) मद विवरण में, मद कोड और II (क), (ख), (ग) और (घ) में दिया गया जोखिम भार निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

मद का विवरण	मद कोड	बही मूल्य	जोखिम भार	समायोजित मूल्य
II. निवेश				
(क) राष्ट्रीय आवास बैंक अधिनियम, 1987 में यथा परिभाषित अनुमोदित प्रतिभूतियां [नीचे ग (को छोड़कर)]	221		'0'	
(ख) सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बांडस				
(i) भाग क के मद 14 में काटी गई राशि	222		'0'	
(ii) भाग क के मद 14 में नहीं काटी गई राशि	223		'20'	
(ग) सावधि जमा/ जमाओं के प्रमाणपत्र/ सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों के बांडस				
(i) भाग क के मद 14 में काटी गई राशि	224(i)		'0'	
(ii) भाग क के मद 14 में नहीं काटी गई राशि	224(ii)		'100'	
(घ) सभी कंपनियों के शेयर तथा सभी कंपनियों के डिबेंचर/बांडस/ वाणिज्यिक कागजात/सभी म्यूचुअल फंड की इकाइयां				
(i) भाग क के मद 14 में काटी गई राशि	225		'0'	
(ii) भाग क के मद 14 में नहीं काटी गई राशि	226		'100'	

- (ii) मद विवरण में, मद कोड और III (च) (ज) में दिया गया जोखिम भार निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा, यथा :-

मद का विवरण	मद कोड	बही मूल्य	जोखिम भार	समायोजित मूल्य
III. वर्तमान आस्ति				
(च) (i) घरेलू राष्ट्रिक:	237 (i)		'0'	
क. केंद्रीय सरकार पर निधि आधारित दावे				



ख. राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में प्रत्यक्ष ऋण/क्रेडिट/ओवरड्राफ्ट एक्सपोजर व निवेश	237 (i) (ख)		'0'	
ग. केंद्र सरकार द्वारा गारंटीकृत दावे	237 (i) (ग)		'0'	
घ. राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत दावे, जो चूक में नहीं रहे /जो चूक में नब्बे दिनों से अधिक अवधि के लिए नहीं रहे	237 (i) (घ)		'20'	
ड. राज्य सरकार द्वारा गारंटीकृत दावे, जो चूक में नब्बे दिनों से अधिक अवधि के लिए रहे	237 (i) (ड)		'100'	

(iii) 'टिप्पणी' के मद सं. 4 का विलोपन नहीं किया जाएगा ।

II. मद सं. xv के बाद भाग ड में मुख्य निर्देशों की अनुसूची II में निम्नलिखित को सम्मिलित किया जाएगा

मद सं.	मद विवरण	मद कोड	बही मूल्य	संपरिवर्तन कारक	तुल्य	जोखिम भार	समायोजित मूल्य
xvi.	केंद्र सरकार पर गैर-निधि आधारित दावे	330		'0'		'0'	

श्रीराम कल्याणरामन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

[विज्ञापन-III/4/असा./342/17]

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28<sup>th</sup> September, 2017

**No. NHB.HFC.DIR.19/MD&CEO/2017**— In exercise of the powers conferred by sections 30A and 31 of the National Housing Bank Act, 1987 (53 of 1987) and of all the powers enabling it in this behalf, the National Housing Bank, having considered it necessary in the public interest, and on being satisfied that for the purpose of enabling it to regulate the housing finance system of the country to its advantage, it is necessary so to do, hereby directs that the Housing Finance Companies (NHB) Directions, 2010 (hereinafter referred to as the principal Directions) shall, with immediate effect, be amended in the following manner, namely –

### 1. Amendment to Paragraph 30

(i) In paragraph 30 of the principal Directions, under the Explanation (1), the item description and risk weight given in (2) (a), (b), (c) and (e) shall be substituted by the following, namely:-

		Weighted risk assets - On balance Sheet items	% Weight
(2)		Investments:	
	a)	Approved Securities as defined in National Housing Bank Act, 1987 [Except at c) below]	'0'
	b)	Bonds of public sector banks	'20'
	c)	Fixed deposits/certificate of deposits/bonds of public financial institutions	'100'
	e)	Shares of all companies and debentures / bonds/commercial papers of all companies/units of all mutual funds.	'100'

(ii) In paragraph 30 of the principal Directions, under the Explanation (1), the item description and risk weight given in (3) a) shall be substituted by the following, namely –

		<b>Weighted risk assets - On balance Sheet items</b>	<b>% Weight</b>
(3)	a)	Domestic Sovereign:	
	i)	Fund based claims on the Central Government	‘0’
	ii)	Direct loan /credit / overdraft exposure and investment in State Government securities	‘0’
	iii)	Central Government guaranteed claims	‘0’
	iv)	State Government guaranteed claims, which have not remained in default / which are in default for a period not more than 90 days	‘20’
	v)	State Government guaranteed claims, which have remained in default for a period of more than 90 days	‘100’

(iii) In paragraph 30 of the principal Directions, under the Explanation (2) B, the following new Item No. (xvi), shall be inserted, namely –

<b>Item No.</b>	<b>Item Description</b>	<b>Credit Conversion Factor</b>
xvi.	Non-fund based claims on the Central Government	‘0’

## 2. Amendment in Schedule II

I. In Schedule II of the principal Directions, in Part D –

(i) In item description, item code and risk weight given in II (a), (b), (c) and (d) shall be substituted by the following, namely –

<b>Item description</b>	<b>Item code</b>	<b>Book Value</b>	<b>Risk weight</b>	<b>Adjusted Value</b>
II. Investments				
(a) Approved Securities as defined in National Housing Bank Act, 1987 [Except at c) below]	221		‘0’	
(b) Bonds of public sector banks				
(i) Amount deducted in item 14 in Part A	222		‘0’	
(ii) Amount not deducted in item 14 in Part A	223		‘20’	
(c) Fixed deposits/certificate of deposits / bonds of public financial institutions				
(i) Amount deducted in item 14 in Part A	224(i)		‘0’	
(ii) Amount not deducted in item 14 in Part A	224(ii)		‘100’	
(d) Shares of all companies and debentures / bonds /commercial papers of all companies / units of all mutual funds				
(i) Amount deducted in item 14 in Part A	225		‘0’	
(ii) Amount not deducted in item 14 in Part A	226		‘100’	

(ii) In item description, item code and risk weight given in III (f)(i) shall be substituted by the following, namely –

Item description	Item code	Book Value	Risk weight	Adjusted Value
III. Current assets				
(f) (i) Domestic Sovereign:	237(i)			
a. Fund based claims on the Central Government	237(i)(a)		‘0’	
b. Direct loan /credit / overdraft exposure and investment in State Government securities	237(i)(b)		‘0’	
c. Central Government guaranteed claims	237(i)(c)		‘0’	
d. State Government guaranteed claims, which have not remained in default / which are in default for a period not more than 90 days	237(i)(d)		‘20’	
e. State Government guaranteed claims, which have remained in default for a period of more than 90 days	237(i)(e)		‘100’	

(iii) Item number 4 of ‘Notes’ shall stand deleted.

II. In Schedule II of the principal Directions, in Part E, after item no. xv the following shall be inserted

Item No.	Item Description	Item Code	Book Value	Conversion Factor	Equivalent	Risk Weight	Adjusted value
xvi.	Non-fund based claims on the Central Government	330		‘0’		‘0’	

SRIRAM KALYANARAMAN, Managing Director & Chief Executive Officer

[ADVT.-III/4/Exty./342/17]